भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, खंडवा रोड, इन्दौर-452001

फ़ाइल् क्रमांक. प्रेस नोट/प्रेस व पब्लिसिटी/2022/38

भाकृअनुप-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, द्वारा आईटीसी लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित

भारतीय संस्कृति में खेती को आत्मनिर्भरता का मूल आधार माना गया है, जिसमे देश के किसान की मुख्य भूमिका रही है। इसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए किसान को सशक्त बनाने की इस पहल में, भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर द्वारा किसानों की प्रगति के लिए आईटीसी लिमिटेड के साथ 23 जुलाई 2022 को एम.ओ.ए हस्ताक्षरित किया गया। इस ज्ञापन के लिए आईटीसी, भोपाल से श्री अखिलेश कुमार यादव (क्षेत्रीय प्रबंधक), श्री निलेश पाटकर (कार्यक्रम अधिकारी), श्री सहयोग तिवारी (कार्यक्रम कार्यकारी) तथा श्री प्रसाद देशकर (लेखाकार) मुख्य रूप से उपस्थित रहे। संस्थान की कार्यवाहक निदेशक डॉ नीता खांडेकर द्वारा इस ज्ञापन पर प्रकाश डालते हुए बताया की, इस सहयोग कार्य के अंतर्गत संस्थान द्वारा प्रदेश के इंदौर, उज्जैन, देवास, सीहोर एवं विदिशा जिले के विभिन्न किसानों को प्रशिक्षित किया जायेगा। साथ ही उन्होंने बताया किसानों द्वारा उनके खेतों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए बी.बी.एफ तकनीक तथा जलवायु-स्मार्ट प्रोद्योगिकी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किया जायेगा । भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर द्वारा इससे पूर्व भी कृषि सशक्तिकरण की दिशा में आईटीसी लिमिटेड के साथ विभिन्न संगोष्ठियों का आयोजन किया गया है, जिसके अंतर्गत वर्तमान खरीफ के अनुसार किसानों को सही मार्गदर्शन दिया गया जिससे उन्हें अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हो सकें।

.....